विष्णु प्रभाकर के नाटकों में नारी समस्या

अ नु क्र म णि का

पृष्ठांक

अध्याय : 1 विष्णु प्रभाकर व्यक्तित्व एवं नाटककार 001-034

1·1 भूमिका

1·2 विष्णु प्रभाकर की जीवनी

1·2·1 जन्म

1·2·2 बचपन

1·2·3 शिक्षा और कार्य

1·2·4 परिवार

1·2·5 नाम की कहानी

1·2·6 विष्णु प्रभाकर का व्यक्तित्व

1·2·6·1 वेशभूषा

1·2·6·2 स्वभाव

1·2·6·3 दिनचर्या

1·2·6·4 रूचियाँ

1·2·6·5 साहित्य-साधना

1·3 नाटककार विष्णु प्रभाकर

1·3·1 नाटकों का वर्गीकरण

1·3·1·1 मनोवैज्ञानिक नाटक

1·3·1·2 राजनीतिक नाटक

1·3·1·3 ऐतिहासिक नाटक

1·3·1·4 सामाजिक नाटक

1·3·1·5 रूपान्तारेत नाटक

पृष्ठांक

अध्याय : 2 विष्णु प्रभाकरजी के नाटकों में सामाजिक जीवन की समस्याएँ और नारी-समस्या 035-079

2·1 सामाजिक जीवन और मानव

2·2 सामाजिक जीवन की समस्याएँ

2·2·1 परिवार के विघटन की समस्या

2·2·2 नारी और किसान के शोषण की समस्या

2·2·3 परिवार की आर्थिक समस्या

2·2·4 सुधारकों के पाखण्ड की समस्या

2·2·5 शिक्षा समस्या

2·2·6 विवाह की समस्या

2·2·7 अंधविश्वास की समस्या

2·2·8 भ्रष्टाचार की समस्या

2·3 नारी-समस्या

2·3·1 उपेक्षित या परित्यक्ता नारी की समस्या

2·3·2 समाज में नारी का स्थान

2·3·3 विवाह प्रथा और नारी-समस्या

2·3·3·1 विधवा-विवाह समस्या

2·3·3·2 प्रेम-विवाह समस्या

2·3·4 स्त्री-पुरूषों में विषमता की समस्या

2·3·5 नारी शिक्षा की समस्या

2·3·6 वेश्या-समस्या

2·3·7 आर्थिक समस्या

पृष्ठांक

अध्याय : 3 विष्णु प्रभाकरजी के नाटक और प्रतिबिंबित नारी-जीवन 080-112

3·0 प्रस्तावना

3·1 सुसंस्कृत और आदर्श नारी का जीवन

3·2 नारी जीवन में विद्रोह और मुक्ति की तलाश

3·3 अंधविश्वासों में बसा नारी-जीवन

3·4 आधुनिक स्वच्छन्द नारी का जीवन

3·5 कुण्ठित और अभावग्रस्त जीवन

3·6 बदले की आग में जलता जीवन

3·7 देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा में उलझा हुआ नारी जीवन

अध्याय : 4 विष्णु प्रभाकरजी के नाटकों में नारी मनोविज्ञान 113-134

4·0 प्रस्तावना

4·1 ममत्व और प्रेम

4·2 आत्महीनता

4·3 तीव्र चुनौती एवं प्रतिशोध भावना

4·4 घुटन-दमन और अंधविश्वास

4·5 स्वेच्छाचार एवं मनमाने क्रिया-व्यापार

4·6 हृदय परिवर्तन

4·7 सुप्त-कामेषणा

4·8 कर्तव्य परायणता

4·9 पागलपन एवं विक्षिप्तता

अध्याय : 5 मुल्यांकन 135-144

संदर्भ-ग्रन्थ-सूची 145-146